सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 309 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 16 दिसम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

देश में गायब हो रही खोजी.. 8 | यूपी फतह को फिर मंदिर... 3 | सरकार ने बढ़ाए ग्राम प्रधानों... 7

एक मकान तब तक घर नहीं बन सकता जब तक उसमें दिमाग और शरीर दोनों के लिए भोजन और ललक न हो।

-बेंजामिन फ्रैंकलिन

संसद से यूपी विधान सभा तक हंगामा, विपक्ष बोला इस्तीफा दें केंद्रीय मंत्री टेनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा पर एसआईटी के खुलासे के बाद विपक्ष ने केंद्र और यूपी सरकार पर हमले तेज कर दिये हैं। विपक्ष ने इस मामले में आज संसद से लेकर यूपी विधान सभा तक हंगामा किया। साथ ही विपक्षी सांसदों और विधायकों ने एक बार फिर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी से इस्तीफे की मांग की। हंगामे के चलते संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा जबकि विधान सभा में हंगामे के बीच प्रदेश की योगी सरकार ने अनुपूरक बजट पेश किया।

लखीमपुर हिंसा और सांसदों के निलंबन पर संसद के दोनों सदनों में लगातार विपक्ष का हंगामा जारी है। विपक्ष सांसदों का निलंबन वापस लेने और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को पद से हटाने की अपनी मांग पर अड़ा है। विपक्ष लखीमपुर हिंसा मामले में एसआईटी की रिपोर्ट के बाद इसे किसानों की सुनियोजित तरीके से हत्या करने की साजिश बता रहा है। वहीं हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। लोक सभा में राहुल गांधी ने कहा कि हमें लखीमपुर हिंसा में हुई हत्या के बारे में बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसमें सरकार के मंत्री की संलिप्तता थी और जिसके बारे में कहा गया है कि यह एक साजिश थी। किसानों की हत्या करने वाले मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्य सभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया और मांग की कि सरकार मंत्री का इस्तीफा तुरंत ले। वहीं यूपी विधान मंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने हंगामा किया। सपा तथा कांग्रेस के सदस्य एसआईटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने और गृह राज्य मंत्री को बर्खास्त करने की मांग को लेकर वेल में आकर नारेबाजी की।

फोटो: सुमित कुमार

» संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही बाधित, विधान सभा में वेल तक पहुंचे विपक्षी विधायक

लखीमपुर हिंसा पर एसआईटी के खुलासे के बाद केंद्र व प्रदेश सरकार पर विपक्ष ने तेज किये हमले

केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से भी की थी अभद्रता

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने बुधवार को लखीमपुर हिंसा केस से जुड़े एक सवाल पर आपा खो बैठे। उन्होंने पूरी मीडिया को चोर तक कह दिया। उन्होंने पत्रकार का कालर तक पकड़ने की कोशिश की। लखीमपुर हिंसा में अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा समेत सभी 13 आरोपियों पर अब जानलेवा हमला, गंभीर चोट पहुंचाने व शस्त्र अधिनियम की धाराओं पर केस चलेगा। हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी।

हंगामे के बीच अनुपूरक बजट पेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन विपक्ष के हंगामे के बीच योगी आदित्यनाथ सरकार ने अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के बजट पेश करने के दौरान ही कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी के विधायक वेल में आकर प्रदर्शन करने लगे। योगी आदित्यनाथ सरकार ने विधान सभा में चालू वित्तीय वर्ष के लिए 8479.53 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

सपा-कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा पर एसआईटी के खुलासे के बाद प्रदेश का सियासी पारा फिर गर्म हो गया है। आज लखनऊ में विधान भवन के सामने कांग्रेस और सपा के विधायकों ने जमकर प्रदर्शन किया और केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग की। लखनऊ में विधान सभा मार्ग पर विधान भवन के ठीक सामने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस के विधायकों ने प्रदर्शन किया। वहीं विधान भवन परिसर में समाजवादी पार्टी के विधायकों के साथ विधान परिषद सदस्यों ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार करने पर प्रदर्शन किया। साथ ही मोदी मंत्रिमंडल से उनको बर्खास्त करने की मांग की।

अब लड़कियों की शादी की उम्र होगी 21 साल

» कैबिनेट ने दी मंजूरी, कानून में संशोधन करेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में लड़कियों की शादी की कानूनी उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को कैबिनेट की बैठक में इस पर फैसला लिया गया। अब इसके लिए मौजूदा कानूनों में सरकार संशोधन करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल स्वतंत्रता दिवस के दिन लाल किले से अपने संबोधन में इसका उल्लेख किया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैबिनेट की मंजूरी के बाद सरकार बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 और फिर विशेष विवाह अधिनियम एवं हिंदू विवाह अधिनियम 1955 जैसे निजी कानूनों में संशोधन करेगी। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि दिसंबर 2020 में केंद्र की टास्क फोर्स की प्रमुख जया जेटली ने नीति आयोग को अपनी सिफारिशें सौंपी थीं। टास्क फोर्स की सिफारिश को सरकार ने मान लिया है।

निजीकरण के खिलाफ बैंक कर्मियों की हड़ताल

» मांगों को लेकर स्टेट बैंक मुख्यालय पर प्रदर्शन, करोड़ों का कारोबार प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सार्वजनिक बैंकों के निजीकरण किए जाने के विरोध में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के बैनर तले बैंक कर्मी आज से दो दिनों की हड़ताल पर चले गए हैं। इस कारण बैंकों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। इसके चलते बैंक ग्राहकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बैंक कर्मी आज सुबह से स्टेट बैंक मुख्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

नेशनल कंफेडरेशन ऑफ बैंक के प्रदेश महामंत्री अखिलेश मोहन ने कहा कि बैंकों का निजीकरण कर पूँजीपतियों के हाथों में सौंपने का प्रयास किया जा रहा है। बैंकों के निजीकरण से जनता का पैसा पूंजीपति हड़प लेंगे। देश भर में करीब नौ लाख कर्मचारी आज से दो दिन की हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल में लखनऊ के करीब 10 हजार बैंक कर्मचारी शामिल हुए। बैंक बंद रहने से करीब 25 से 30 हजार करोड़ का कारोबार प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की गई है।

यूपी में 5 साल में 50 लाख को रोजगार देंगे : संजय सिंह

» हमारा गठबंधन जनता से है, चर्चाएं तो होती रहती हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। सर्दियों में लोग बेशक ठंड से कांप रहे हों लेकिन यूपी में राजनीतिक माहौल बेहद गर्म है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक है। सभी पार्टियां मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह का हथकंडा अपना रही हैं। पहली बार यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी भी किसी से पीछे नही है। दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी भी यूपी में चुनाव की तैयारी में जोर-शोर से जुटी है।

इसी क्रम में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह नोएडा पहुंचे। नोएडा के सेक्टर 51 में पीसी को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) प्रदेश की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) से गठबंधन के सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन जनता से है। चर्चाएं तो होती रहती हैं। उनके बयान से ऐसा लग रहा है कि शायद दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की बात आगे नहीं बढ़ पायी है। अभी हाल में ही आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता संजय सिंह सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिले थे तभी से दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की अटकलें लगने लगी थीं। उन्होंने आगे कहा कि लोगों के पास आम आदमी पार्टी का विकल्प है। यहां पर अभी तक धर्म और जाति पर लड़ने वाली पार्टियां थीं। अब लोगों के तीन पास विकल्प है। इस दौरान मनीष सिसोदिया ने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी में रोजगार मांगने पर युवाओं पर लाठियां भांजी जाती हैं। परीक्षा का पेपर लीक होता है। आम आदमी पार्टी अगर यूपी में सत्ता पर काबिज हुई तो प्रति वर्ष 10 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। बेरोजगारों को प्रति महीने 5 हजार रुपये भत्ता दिया जाएगा। आम आदमी पार्टी युवाओं से वादा करना चाहती है कि अगर सरकार बनी तो पेपर लीक नही होने दिया जाएगा। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा आम आदमी पार्टी यूपी में 5 साल में 50 लाख को रोजगार देंगे। ये सपना आम आदमी पार्टी पूरी करेगी। अरविंद केजरीवाल की पार्टी जुमला नही बोलती जमीन पर कर के दिखाती है।

हमें अपने सशस्त्र बलों और उनकी उपलब्धियों पर गर्व : राजनाथ सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

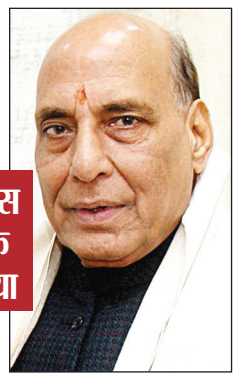

50वें विजय दिवस पर स्मारक डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अस्तिव में आने के आज 50 साल पूरे हो चुके हैं। 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध को बांग्लादेश मुक्ति संग्राम भी कहा जाता है। इस दौरान पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों को जीत मिली थी। इस उपलक्ष्य में हर साल 16 दिसंबर को भारत में विजय दिवस मनाया जाता है। इस खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर तमाम नेताओं ने देश के वीर जवानों को नमन किया है, जिन्होंने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, स्वर्णिम विजय दिवस के अवसर पर हम 1971 के युद्ध के दौरान अपने सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को याद करते हैं। 1971 का युद्ध भारत के सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। हमें अपने सशस्त्र बलों और उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 50वें विजय पर कहा कि मैं मुक्तिजोद्धों, वीरांगनाओं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीरों द्वारा महान वीरता और बलिदान को याद करता हूं। हमने साथ मिलकर दमनकारी ताकतों से लड़ाई लड़ी और उन्हें हराया। ढाका में भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की उपस्थिति प्रत्येक भारतीय के लिए विशेष महत्व रखती है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा भारतीय सैनिकों के अद्भुत साहस व पराक्रम के प्रतीक 'विजय दिवस' की स्वर्ण जयंती पर वीर सैनिकों को नमन करता हूं। 1971 में आज ही के दिन भारतीय सेना ने दुश्मनों पर विजय कर मानवीय मूल्यों के संरक्षण की परंपरा के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा था। सभी को विजय दिवस की शुभकामनाएं।

योगी सरकार ने महिलाओं को दी बड़ी सौगात

कौशल विकास प्रशिक्षण में 30 फीसदी आरक्षण का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार दीन दयाल अंत्योदय योजना के तहत दिए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण में अब महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण देगी। प्रशिक्षण देने के लिए नए सिरे से 51 संस्थाओं का चयन भी किया गया है। बड़े शहरों में 240 और छोटे शहरों में 120 पात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। दरअसल, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को दीन दयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार किया जाता है।

राज्य शहरी आजीविका मिशन निदेशालय प्रशिक्षण देने के लिए संस्थाओं से करार करता है। निदेशालय ने नए सिरे से प्रशिक्षण देने के लिए संस्थाओं का चयन कर लिया है। इन्हें वर्ष 2021-22 के लिए नामित किया गया है। शहरी पात्रों को चयनित करते हुए इनके माध्यम से प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। अब प्रशिक्षण के लिए चयनित होने वालों में आरक्षण की व्यवस्था की जा रही है। महिलाओं को इसमें 30 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा अल्पसंख्यकों को 15 प्रतिशत व दिव्यांगों को पांच फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं को इसकी जानकारी मिशन निदेशालय को देनी होगी कि उनके यहां किस वर्ग के कितने लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निदेशालय स्तर से जरूरत के आधार पर इसका सत्यापन भी कराया जाएगा। मिशन निदेशक यशु रुस्तगी ने आरक्षण के संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

चुनाव में महाराष्ट्र के पदाधिकारी संभालेंगे कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। भाजपा पार्टी को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र संगठन के पदाधिकारियों ने जिले में डेरा डाल लिया है। जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रवासी कार्यकर्ता की तरह यह चुनाव तक मौजूद रहेंगे।

यहां की हर गतिविधि पर नजर रखने के साथ ही संगठन में हो रही उथल पुथल और चुनावी तैयारियों के बारे में संगठन को अवगत कराएंगे। बुधवार को जिला कार्यालय पहुंचे भाजपा के महाराष्ट्र संगठन के 15 पदाधिकारियों को भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने स्वागत किया। इसके बाद सभी के साथ भाजपा कार्यालय पर ही संगठन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें जिले की राजनीतिक परिस्थितियों के अलावा यहां की भौतिक स्थिति के बारे में भी अवगत कराया। पिछले चुनाव में कौन जीता, किसने किसे हराया और पार्टी को कहां मात मिली, इस बारे में भी जानकारी दी गई।

मीडिया को चोर कहने पर लखीमपुर डीएम को पत्रकारों का ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी लखीमपुर हिंसा केस से जुड़े एक सवाल पर आपा खो बैठे। लखीमपुर स्थित एक अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने गए केंद्रीय मंत्री ने एक इलेक्ट्रानिक चैनल के पत्रकार के सवाल पर पूरी मीडिया को चोर तक कह दिया। टेनी यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने पत्रकार का कालर तक पकड़ने की कोशिश की। किसी तरह से लोगों ने उनको शांत तो करा दिया, लेकिन तब तक इंटरनेट मीडिया पर उनकी अभद्र टिप्पणी का वीडियो वायरल हो चुका था।

उनके बयान से भड़के पत्रकारों ने लखीमपुर खीरी के डीएम को एक ज्ञापन देकर केंद्रीय मंत्री पर कार्रवाई की मांग की। कल दोपहर टेनी लखीमपुर-सीतापुर रोड पर ओयल के पास एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने गए थे। यहां से जब वह बाहर निकल रहे थे तभी एक पत्रकार ने पूछा कि आपके बेटे पर लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में कई धाराएं बढ़ा दी गई हैं, इस पर क्या कहना है। इतनी बात पर टेनी भड़क गए। उन्होंने माइक का तार खींच लिया और कहा कि बेवकूफ हो क्या...तमीज नहीं है। पत्रकारों के मुताबिक उन्होंने एक कैमरामैन का मोबाइल भी ले लिया। उस दौरान इस घटना का किसी ने वीडियो बना लिया था। पत्रकारों पर भड़कते हुए उन्होंने कहा, यही जो मीडिया वाले हैं ना...एक निर्दोष आदमी को फंसाया है।

तोगड़िया का मोदी-योगी पर तंज, केशव की तारीफ

ट्रिपल तलाक कानून बना सकते हैं तो काशी-मथुरा के लिए क्यों नहीं

» सरकार चाहे तो चुटकी में हल हो जाए मथुरा का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने पीएम मोदी-योगी पर तंज कसा है। तोगड़िया ने कहा कि मुसलमानों की बीवियों के लिए ट्रिपल तलाक के खिलाफ कानून बन सकता है तो हिंदुओं के आराध्य काशी विश्वनाथ और भगवान कृष्ण के घर के लिए कानून क्यों नहीं बन रहा। मुरादाबाद पहुंचने से पहले अमरोहा में उन्होंने कहा कि पहले धर्म निरपेक्ष बताने की स्पर्धा थी। अब सभी नेताओं में खुद को हिंदू बताने की स्पर्धा लगी है।

बोले- मोदी जी काशी में भगवा कपड़े पहनते हैं, योगी जी अयोध्या जा रहे हैं, राहुल गांधी खुद को हिंदू बता रहे हैं और ममता बनर्जी चंडी पाठ कर रही हैं। तोगड़िया ने कहा कि सरकार चाहे तो मथुरा का मुद्दा चुटकी में हल हो सकता है। सरकार कानून बना दे तो कल से ही मंदिर निर्माण शुरू हो जाएगा। ट्रिपल तलाक को लेकर उन्होंने मोदी पर तंज भी कसा। तोगड़िया बोले जब देश में हिंदुत्व की होड़ मची है तो लगते हाथ दारूल उलूम और तबलीगी जमात पर प्रतिबंध भी लग जाए। 2 बच्चों का कानून बने। किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले 700 किसानों के परिवारों को एक- एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जाए।

केशव को मैंने ही घूंट-घूंट पिलाया हिंदुत्व

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी पर तंज कसने के बाद डॉ. प्रवीण तोगडिया ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की खुलकर तारीफ की। तोगड़िया बोले- केशव प्रसाद मौर्य 18 साल तक मेरा ही सहयोगी रहा है। उसे घूट-घूटकर हिंदुत्व मैंने ही पिलाया है। इसलिए केशव प्रसाद मौर्य हिंदू और किसानों के लिए डटकर खड़ा रहेगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

यूपी फतह को फिर मंदिर पॉलिटिक्स को धार देने में जुटी भाजपा

अयोध्या के राम और काशी के धाम पर पार्टी के दिग्गजों का फोकस

हिंदुत्व के जरिए विधान सभा चुनाव की नैया पार लगाने की जुगत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा ने एक बार फिर मंदिर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है। इसके जरिए वह हिंदुत्व का धार देने में जुट गयी है ताकि प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखा जा सके। यही वजह है कि भाजपा के दिग्गज और तमाम मुख्यमंत्रियों ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के तुरंत बाद रामलला के दरबार पहुंचकर हाजिरी लगायी। भाजपा सभाओं में विकास के साथ राम मंदिर निर्माण और काशी विश्वनाथ मंदिर के कायाकल्प का लगातार जिक्र कर रही है। साथ ही यह भी बता रही है कि इसके कारण न केवल पर्यटन का विकास होगा बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेंगे।

प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखने के लिए भाजपा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। काशी के बाद अयोध्या में बड़ा सियासी जमावड़ा लगा। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्रियों ने राम लला के दर्शन किए। सरयू किनारे आरती की। हनुमानगढ़ी भी पहुंचे। मुख्यमंत्रियों के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उनकी पत्नी भी मौजूद थीं। ऐसे में राजनीतिक गलियारे में इस कार्यक्रम की खूब चर्चाएं हो रही हैं। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण किया था। इस दौरान उन्होंने अयोध्या के श्री राम मंदिर और रुद्रप्रयाग के केदारनाथ धाम का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कई आंकड़े पेश किए। उन्होंने कहा कि 2013-14 से अगर तुलना करें तो 2019-20 में काशी में पर्यटकों की संख्या दोगुनी हुई है। अयोध्या में भी पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारी विध्वंस के बाद लोग केदारनाथ जाने से डरने लगे थे। अब वहां हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मोदी ने इन आंकड़ों के जरिए ये भी बताया कि किस तरह से अयोध्या में श्री राम मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम और उत्तराखंड में केदारनाथ धाम के विस्तारीकरण और सौंदर्यीकरण से विकास को नया आयाम मिला है। इन तीनों जगहों पर स्वरोजगार और रोजगार में इजाफा हुआ है। देश-दुनिया से यहां श्रद्धालु आ रहे हैं। इसका फायदा यहां के आम लोगों को मिल रहा है। बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन हुआ है।

लगाया जाएगा जनप्रतिनिधियों को

अब भाजपा संगठन के रणनीतिकारों ने तय किया है कि काशी के विकास का यह उत्सव मकर संक्रांति तक मनाया जाएगा। प्रयास यह है कि विधानसभा चुनाव से पहले हर बूथ क्षेत्र में यह संदेश जाए कि मोदी-योगी सरकार ने अयोध्या और काशी के विकास के अपने वादे को पूरा किया है। इसके लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जा रही है, जिनमें पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों को लगाया जाएगा।

शुरू की जाएंगी जन विश्वास यात्राएं

इस संदेश को प्रसारित करने का माध्यम पार्टी की वह छह जन विश्वास यात्राएं भी होंगी, जो 19 दिसंबर से शुरू होने वाली हैं। यह यात्राएं सभी 403 विधान सभा क्षेत्रों का भ्रमण करेंगी। जनता से संवाद किया जाएगा, जिसमें अयोध्या और काशी का भी खास तौर पर उल्लेख किया जाएगा।

काशी के वैभव का संदेश पहुंचाएगी भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव की परीक्षा में योगी आदित्यनाथ सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस, माफियाराज का खात्मा और विकास की बड़ी-बड़ी परियोजनाओं के मुद्दे के साथ जा रही है लेकिन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की धारा को भी समानांतर तेज किया जा रहा है। राम मंदिर निर्माण के साथ संवर रही अयोध्या भारतीय जनता पार्टी के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे का झंडा ऊंचा कर रही है तो अब काशी के कायाकल्प की कहानी भी जन-जन तक पहुंचाने के जतन शुरू हो गए हैं। श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के लोकार्पण का सीधा प्रसारण मठ-मंदिरों तक करा चुका भाजपा संगठन ऐसे कार्यक्रमों की रूपरेखा बना रहा है, जिनसे उत्तर प्रदेश के प्रत्येक बूथ तक काशी के वैभव का संदेश पहुंचे।

मिशन शक्ति को बढ़ावा, बेटों से आगे निकल रही बेटियां

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बोलीं, खुशी के साथ चिंता का विषय यह है कि बेटियां आगे चल रही हैं और बेटे पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बेटियों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा बेटियां आगे बढ़ रही है, यह फक्र की बात है। आनंदीबेन पटेल ने कहा हर जगह बेटियां आगे चल रहीं, बेटे पीछे, इस पर तो शोध करना पड़ेगा। राज्यपाल के हाथों विश्वविद्यालय के 45 मेधावी सम्मानित हो रहे हैं। खास बात यह है कि इस वर्ष दिए गए 45 स्वर्ण पदकों में से 32 पर बेटियों ने कब्जा जमाया है।

स्मृति स्वर्ण पदक पाने में भी बेटियां आगे हैं। दीक्षान्त समारोह में कुल 46 विद्यार्थियों को 76 पदक दिए जा रहे हैं। इसमें 36 पदक बेटियों को मिले हैं। राज्यपाल के हाथों मेडल और शाबाशी पाकर विवि के मेधावियों के चेहरे खिल गए हैं। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि 70 फीसदी छात्राओं ने गोल्ड जीता है। अभी जहां भी जाते वहां बेटियों की धूम दिखती है। ऐसा ही माहौल रहता है। उन्होंने कहा कि खुशी के साथ चिंता का विषय यह है कि बेटियां आगे चल रही हैं और बेटे पीछे। उन्होंने इस पर शोध की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि यदि इसकी वजह नहीं पता चली तो 100 फीसदी बिटिया ही होगी।

बेटे पीछे जा रहे, इस पर तो करना पड़ेगा शोध

उन्होंने कहा कि पोषण कलेंडर बना है। इसमें लिखा है क्या खाना चाहिए और कितना। गांव-गांव से खून लेकर डेटा कलेक्ट किया जाएगा। डॉक्टर की सुविधा भी दी जाएगी। दिल्ली में बैठा कोई डॉक्टर इनका इलाज करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र का हेल्थ विभाग ऐसा ही काम कर रहा है। कुपोषण से बच्चों को बचाया जाएगा और माताओं को पोषण मिलेगा। गोल्ड मेडलिस्ट ने अपना मेडल बच्चों को पहनाया है। सभी स्कूली बच्चों को यूनिवर्सिटी जाना चाहिए। उन्हें लैब और नवाचार को लेकर जानकारी देनी चाहिए।

छात्र और छात्राओं पर देश की प्रगति और विकास की जिम्मेदारी

समारोह में मुख्य अतिथि प्रो.एके श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी विवि के लिए एकेडमिक कलेंडर और दीक्षांत समारोह महत्वपूर्ण होता है। जिन छात्र और छात्राओं ने पदक हासिल किया है, उन पर देश की प्रगति और विकास को लेकर अहम जिम्मेदारी है। बढ़ती जनसंख्या से पानी का संकट पैदा होता है। देश, खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर हुआ है। आज हम आयात की बजाए निर्यात कर रहे हैं। मिल्क और मीट के निर्यात में यूपी अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कुपोषण के खिलाफ जंग का आह्वान करते हुए कहा कि हर व्यक्ति 10 लोगों को ऐसा मैसेज दे कि कुपोषण को लेकर वह जागरूक हो। यदि किसी बच्चे को एक हजार दिनों तक अच्छी डाइट नहीं मिलती तो वह हमेशा बीमार रहेगा। मधुमेह इसी का नतीजा। आयोडीन साल्ट सिर्फ मेज का नमक है। इसके पहले संकायाध्यक्ष ने शोध करने वाले छात्र और छात्रों को प्रतिज्ञा दिलाई।

बच्चों को जाना चाहिए काशी

पीएम के काशी दौरे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दो दिनों तक पीएम और सीएम काशी में थे। जब हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो जानना चाहिए कि दुनिया में क्या है। बनारस कैसे बदल रहा है इसे पीएम ने बताया। कई संत थे वहां। आजादी महोत्सव का प्रवचन सुने। जब हम समाज में कुछ देखते हैं तो मन में कई प्रश्न आते हैं। काशी में कैसे क्या बदला इसे यूनिवर्सिटी और प्राइमरी के बच्चों को दिखाना चाहिए। साथ ही काशी का भ्रमण भी करना चाहिए।

नाथ पीठ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का प्रयास

प्रवक्ताओं ने कहा नाथ पीठ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का प्रयास है। गुरु गम्भीर नाथ पीठ में जल्द शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि 40 कोर्स छात्रों को रोजगार के लिए किए जा रहे है। यूनिवर्सिटी को आत्मनिर्भर करने का प्रयास चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा सदस्य शिव प्रताप शुक्ला की निधि से हॉस्टल की स्थापना की गई है। इलेक्शन स्टडी के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से कोलेब्रेशन किया है। 8 देश के 65 बच्चों ने यूनिवर्सिटी में प्रवेश दिया है। कुलपति ने कहा कि पूर्वांचल की मेधा के लिए स्टार्टअप की व्यवस्था की जा रही है। 5 रुपये में नाश्ता और 10 रुपये में भोजन उपलब्ध कराने के लिए योजना के लिये बंगलूरू की संस्था से अनुबंध किया गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बेकाबू महंगाई पर नकेल कब?

कोरोना काल के बीच देश में महंगाई भी आसमान छूने लगी है। सरकारी आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं। आंकड़ों के मुताबिक थोक महंगाई दर नवंबर में 12 साल के शीर्ष स्तर 14.23 फीसदी पर पहुंच गई है जबकि खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर 6.70 फीसदी हो गयी है। इसके कारण आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी गरीबों को हो रही है। बावजूद इसके सरकारी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं नजर आ रही है। सवाल यह है कि देश में महंगाई बेलगाम क्यों हो गयी है? खाद्य वस्तुओं के दामों में इजाफा क्यों हो रहा है? सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में नाकाम क्यों है? क्या बढ़ती बेरोजगारी और घटती क्रय शक्ति ने अर्थव्यवस्था को कमजोर कर दिया है? क्या अर्थव्यवस्था को बाजार के हवाले किया जा सकता है? आखिर आम आदमी को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? क्या नागरिकों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

पिछले डेढ़ साल से कोरोना ने पूरे देश में हाहाकार मचा रखा है। कोरोना के कारण लगाए गए लॉकडाउन ने देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी कर दिया है। इस दौरान तमाम उद्योग-धंधे बंद हो गए। लाखों लोग बेरोजगार हो गए। उनकी जमा-पूंजी भी खत्म हो चुकी है। बेरोजगारों की भीड़ कई गुना तेजी से बढ़ रही है। वही साल-दर-साल बढ़ती महंगाई ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। खाद्य पदार्थ, डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस और बिजली के दामों में भारी इजाफा हुआ है। इसने पहले से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी है। हालांकि सरकार ने गरीबों के लिए मुफ्त राशन और उद्योगों को संचालित करने के लिए पैकेज दिए है लेकिन ये पर्याप्त साबित नहीं हो रहे हैं। बढ़ती बेरोजगारी ने लोगों की क्रय शक्ति को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ रहा है। उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में कमी आने से बाजार मंदी का शिकार हो गया है। इसके कारण रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं। सरकारी नौकरियां भी नाममात्र की हैं। नए उद्योग-धंधों की स्थापना नहीं होने के कारण हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। बावजूद इसके वस्तुओं के दामों में इजाफा जारी है। इसका सबसे अधिक असर निम्न मध्यमवर्ग और गरीबों पर पड़ रहा है। बेरोजगारी के कारण उनकी हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। जाहिर है यदि सरकार ने जल्द महंगाई पर नियंत्रण लगाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाया तो हालात बेकाबू हो जाएंगे। सरकार को चाहिए कि वह महंगाई पर नियंत्रण करने के साथ-साथ रोजगार के साधनों को विकसित करे ताकि लोगों की क्रय शक्ति बढ़े।

“ कोरोना काल के बीच देश में महंगाई भी आसमान छूने लगी है। सरकारी आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं। आंकड़ों के मुताबिक थोक महंगाई दर नवंबर में 12 साल के शीर्ष स्तर 14.23 फीसदी पर पहुंच गई है जबकि खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर 6.70 फीसदी हो गयी है। इसके कारण आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी गरीबों को हो रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश के भीतर मिलें अच्छे अवसर

प्रभु चावला

वर्ष 1025 में महान तमिल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम पहले भारतीय शासक थे, जो अपनी सेना को देश की सीमाओं से परे लेकर गये थे। उन्होंने श्रीलंका, मालद्वीप, मलेशिया, दक्षिणी थाईलैंड और इंडोनेशिया समेत दक्षिण-पूर्वी एशिया के अधिकांश हिस्से को अपने अधीन कर भारत की सीमाओं का विस्तार किया। उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के शासकों से धन प्राप्त किया। दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर कंबोडिया के अंकोरवाट में है। 1893 में आत्मा के सम्राट स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक भाषण दिया और हिंदू धर्म से अमेरिका का परिचय कराया तथा पश्चिम में वेदांत और योग के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। चोल साम्राज्य के वैश्विक विस्तार से सदियों पहले भारतीय मसाले बड़े बाजारों में सोने के बराबर या उससे अधिक दाम पाते थे। राजनीतिक, बौद्धिक, धार्मिक और आर्थिक शक्ति के रूप में भारत का वैश्विक प्रभाव था। इस सोने की चिड़िया के परों को अरबों, मुगलों, फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों, डचों और अंग्रेजों ने नोच दिया, जो व्यापारियों के रूप में आये थे और विस्तारवादी शासक बन बैठे।

अब बड़ी संख्या में भारतीय देश छोड़ कर जा रहे हैं और अपने साथ बौद्धिक और आर्थिक पूंजी भी ले जा रहे हैं। बीते पांच सालों में छह लाख से अधिक भारतीयों ने अपने पासपोर्ट वापस किये हैं, जो आजादी के बाद सबसे बड़ी संख्या है। लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जानकारी दी है कि इस वर्ष सितंबर तक 1.11 लाख से अधिक भारतीयों ने अपना पासपोर्ट लौटा दिया है। उन्होंने अपनी जन्मभूमि को बेकार समझनेवाले भारतीयों की बढ़ती संख्या का कोई कारण नहीं बताया। क्या यह पलायन अधिक धन की चाहत के कारण हो रहा है या इस पलायन की वजह अधिक सफलता की चाहत है, जो यहां उपलब्ध नहीं है? क्या धनिकों का अब ब्रांड भारत में भरोसा नहीं रहा? वैश्विक कंपनियों के लिए यह स्वप्निल बाजार है। विडंबना है कि बाहर जाती भीड़ भारतीय व्यवस्था को अवरोधक, पर्यावरण को अस्वास्थ्यकर और सामाजिक रूप से दमनकारी मानती है। स्वाभाविक रूप से यह मध्य वर्ग और नव धनिक समूह है, जो भारत में जीवन को आकर्षक नहीं मानता है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, दो प्रतिशत से अधिक भारतीय अरबपतियों ने कारोबार और बेहतर जीवन के लिए दूसरे देश को चुना है। यह भी अचरज की बात है कि महामारी के दौरान भी

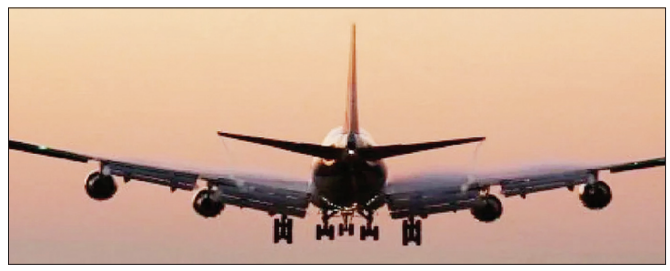

भारतीय देश छोड़ रहे हैं। बीते दो वर्षों में कनाडा, सिंगापुर, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया में स्थायी निवास के बारे में पूछताछ में 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। जाति एवं निर्धनता के कारण अधिकतर भारतीय शिक्षा और समृद्धि का लाभ नहीं ले पाते हैं। भारतीय बौद्धिक और पेशेवर दशकों से बेहतर फायदे के लिए पश्चिम का रुख करते रहे हैं। अमेरिका में लगभग 38 प्रतिशत डॉक्टर, 36 प्रतिशत नासा में कार्यरत और 34 प्रतिशत माइक्रोसॉफ्ट कर्मचारी व 28 प्रतिशत आईबीएम कर्मचारी भारतीय हैं। अमेरिकी संपदा का 20 प्रतिशत हिस्सा एक दर्जन से अधिक भारत में जन्मे टेक्नोक्रेट और भारतवंशियों के हाथ में है। भारतीय कॉरपोरेट, वरिष्ठ नौकरशाह और धनिक लंबे समय से अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते रहे हैं, जिस पर नौ अरब डॉलर से अधिक सालाना खर्च होता है। उनमें से अधिकतर वहीं रह जाते हैं। पलायन की अगुआई वे लोग कर रहे हैं, जिन्होंने भारत में ही धन और नाम कमाया है। शायद ही कोई वरिष्ठ नौकरशाह या सेनाधिकारी होगा, जिसकी एक संतान ने बाहर ग्रीन कार्ड या स्थायी निवास न हासिल किया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2017 में प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन में कहा था, 'गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मैंने एक चर्चा में कहा था कि अगर देश की सारी प्रतिभाएं बाहर चली जायेंगी, तो क्या देश में केवल मूर्ख रह जायेंगे, लेकिन आज मैं भरोसे से कह सकता हूं कि हमारी सरकार की पहलों से हम प्रतिभा पलायन को प्रतिभा प्राप्ति में बदल रहे हैं।' पलायन बीते दो दशकों में कुछ धीमा हो गया था। वर्तमान पूंजी पलायन के कारणों पर सहमति नहीं है। अधिकारी कहते हैं कि दागदार कारोबारी एजेंसियों के डर से भाग रहे हैं। आलोचकों का आरोप है कि उद्योगपतियों से बहुत अधिक पूछताछ हो रही है और उन पर छापे पड़ रहे हैं। कुछ का मानना है कि भारतीय भरोसेमंद और सुरक्षित विकल्प की तलाश कर रहे हैं। विडंबना ही है कि कई प्रमुख देश भारत को भविष्य का देश मानते हैं। फिर भी निराशावादी तत्व और उदासीन व्यवस्था बनते हुए नये भारत की अवधारणा को प्रचारित नहीं कर सके हैं। भारत का नुकसान दूसरे देशों के लिए फायदा है। पुरानी कहावत है कि जब आप अलविदा कहते हैं, तो आप कुछ मर जाते हैं। विदेशी पासपोर्ट लेनेवाले भारतीयों के लिए इसका अर्थ है कि आप समृद्ध जीवन जी सकते हैं।

सेना को वक्त की चाल में ढालेगी समृद्ध विरासत

प्रदीप बाली

जनरल बिपिन रावत 8 दिसम्बर को इतिहास के नायकों में शामिल हो गए। बतौर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और पूर्व सेनाध्यक्ष रहते, वे सैन्य बलों की सोच और ढांचे में परिवर्तन का प्रतीक बने, जिसका वह नेतृत्व कर रहे थे। देश के पहले सीडीएस का व्यथित करने वाला निधन बहुत बड़ा हादसा है तथापि उनके द्वारा शुरू आधुनिकीकरण की प्रक्रिया और सेना के तीनों अंगों की संयुक्त कमान तंत्र बनाने का काम जारी रहेगा। जनरल बिपिन रावत पूर्व उप-सेनाध्यक्ष ले. जनरल लक्ष्मण सिंह रावत के पुत्र थे, वर्दी में उन्होंने अपने करिअर को सर्वोच्च ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जिसकी शुरुआत सोर्ड ऑफ ऑनर पाने से हुई, जो भारतीय सैनिक अकादमी में सब विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जेंटलमैन कैडेट को सेना में कमीशन प्राप्त करने वाले समारोह में प्रदान की जाती है।

प्रशिक्षण के सभी महत्वपूर्ण कोर्सों में खास मुकाम पाने और पढ़ाई में डॉक्टरेट स्तर की योग्यता पाने वाले बिपिन रावत ने थल सेना की विभिन्न वाहिनियों में काम करते हुए, जिनमें कुछ तैनातियां सबसे विकट एवं चुनौतीपूर्ण जगहों पर थीं, अपने नेतृत्व और सैन्य माद्दे का लोहा मनवाया। उन्होंने कांगों में संयुक्त राष्ट्र बल में भारत की ओर से तैनात ब्रिगेड ग्रुप का नेतृत्व भी किया था। इन नियुक्तियों में जो विशेषता उन्हें औरों से जुदा करती है, वह है किसी भी परिस्थिति को तुरंत आंकना और उस पर काबू पाने की क्षमता, अपने जवानों की अगुवाई करने वाले किसी में यह खूबी होना नितांत जरूरी है। उच्च स्तर पर उनके सैन्य नेतृत्व क्षमता की बात करें, तो वह ऐसे नायक थे जो जरूरत पड़ने पर निर्णय लेते और उसे अंतिम ध्येय तक पहुंचाते थे। उनके नेतृत्व में मैंने एक वाहिनी (कोर) की अगुवाई की है, एक बार उन्हें यकीन हो जाए कि चुनी गई डगर सही है, तो चाहे कुछ हो जाए, मंजिल पाने को उनकी निर्णायक प्रतिबद्धता की कोई भी कसम उठा सकता है। हमारी पूरी सीमा रेखा पर तमाम दुरूह जगहों पर खुद तैनात रह चुके जनरल रावत के जहन में दूरस्थ इलाकों में फर्ज निभा रहे जवानों और फील्ड कमांडरों का ध्यान बना रहता था। सितम्बर, 2016 में जनरल रावत सेना मुख्यालय में बतौर उप-सेनाध्यक्ष नियुक्त होकर आए थे और महत्वपूर्ण दफ्तरी कामकाज में जिस तरह तुरंत बदलाव आया, वह देखते बनता था। सभी मातहतों की अपने तक पहुंच आसान बनाकर और जटिल विषयों को तन्मयता से सुलझाने के उनके विशिष्ट तरीके ने बहुत बड़ा फर्क लाया। बतौर डायरेक्टर जनरल ऑफ पर्सपेक्टिव प्लानिंग का मुखिया रहते मुझे भविष्य के पर्सपेक्टिव प्लान पर उनका सकारात्मक दखल आज भी याद है। उनमें किसी की बात सुनने की सहनशीलता गजब की थी और व्यवहार अधिकांशत: मिलनसार था लेकिन मजाल है कोई विषय उनकी प्रबुद्ध परख से गुजरे बिना रह जाए। जनवरी, 2017 में सेनाध्यक्ष का पद संभालने के बाद मानेकशॉ सभागार में होने वाले रिवायती पत्रकार वार्ता वाले क्षण परिभाषित करने वाले थे। संवाद बेलाग था और यह एकदम साफ हो गया था कि अब ऐसा सेनाध्यक्ष है, जो अपनी धारणा पर अडिग है, जरूरत पड़ने पर कड़क होने से नहीं टलेगा और अपने मन की बात सीधे और बेधड़क होकर कहने में हिचकेगा नहीं। सेना का आधुनिकीकरण और तंत्र की पुनर्संरचना को आकार देने और मार्गदर्शन में उनके दूरदृष्टिपूर्ण गुण सदा आगे रहे।

अब देश का ऐसा सेनाध्यक्ष भी था, जिसे सही को सही और गलत को गलत कहने में कोई गुरेज नहीं था और जो गलत आचरण की गुंजाइश देने वाले तौर-तरीके बदलने को सुधारों का हामी था। वैसे तो इतने उच्च पद पर आसीन किसी व्यक्ति से शुचिता की उम्मीद सबको रहती है, लेकिन उनके आने पर यह बात एकदम साफ हो गई थी कि किसी प्रकार की नैतिक अथवा वित्तीय गड़बड़ी के प्रति सहनशीलता शून्य है। जब डोकलाम संकट जोरों पर था, तब जनरल रावत की निगरानी में मुझे सिक्किम स्थित 33 कोर की कमान सौंपी गई। अपने स्टाइल के अनुरूप उन्होंने कहा 'तुम्हें भागते घोड़े पर सवार होना है', हालांकि जो उन्होंने नहीं कहा किंतु शारीरिक भंगिमा व्यक्त कर रही थी 'और मुझे तुम पर यकीन है'। यही वह विशिष्ट खासियत है जो जनरल रावत को न केवल एक फौजी का जनरल बल्कि कमांडर का जनरल भी बनाती है! उस मौके पर मुझे उनके अंदर वह क्षमता देखने को मिली जो फील्ड में तैनात कोर कमांडर को स्पष्ट निर्देश भी देती है और उसका हाथ भी मजबूत करती है। जनरल रावत महत्वपूर्ण सैन्य मामलों पर विमर्श, चाहे विषय कार्यकारी हो या प्रशासनिक, में शामिल किसी को भी अपने खोजपूर्ण और तीखे सवालों से निढाल कर देते थे। लेकिन एक बार यकीन होने के बाद संगठनात्मक हितों को सबसे आगे रखकर लिए उनके निर्णय एकदम सुस्पष्ट हुआ करते थे। नियति ने उनके लिए और बहुत कुछ तय कर रखा था, जब देश के पहले सीडीएस का ऊंचा ओहदा मिला। उनके करिअर ग्राफ, दिमागी और दिली खूबियों को देखते हुए इस कष्टसाध्य नियुक्ति के लिए कोई और उनसे बेहतर पात्र था भी नहीं। बहुत जल्द थल-नभ-वायुसेना की संयुक्त कमान का वजूद एक हकीकत होगी और जनरल रावत की विरासत इसके जरिए जिंदा रहेगी।

सर्दियों में केले खाने के फायदे या नुकसान

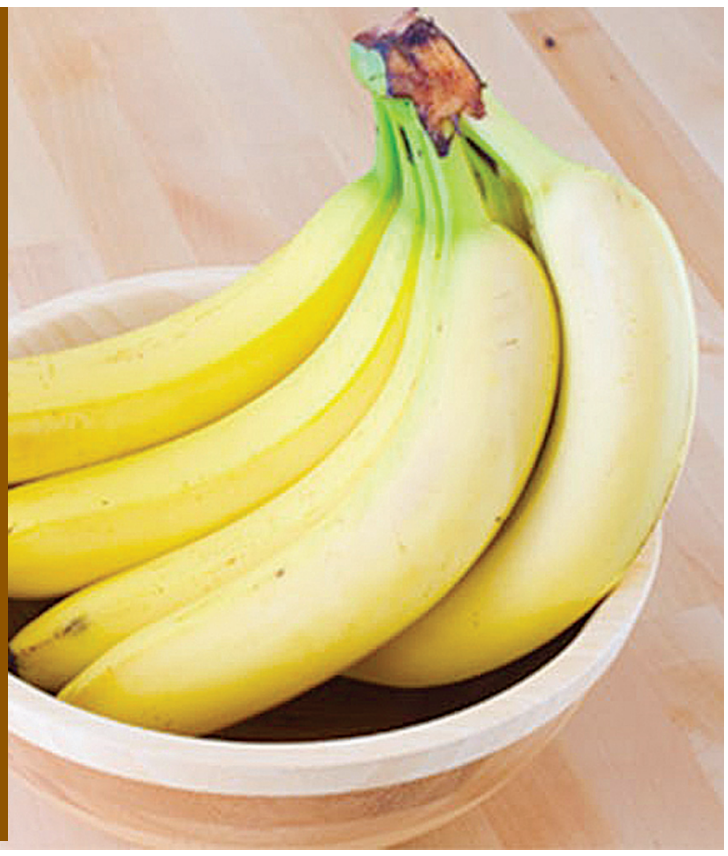

सर्दियों के मौसम में केला खाना चाहिए या नहीं, इसे लेकर कई लोग दुविधा में रहते हैं। केला एक ऐसा फल है जो शरीर को भरपूर एनर्जी देने का काम करता है। हालांकि अगर आपको सांस की कोई बीमारी है या फिर खांसी या सर्दी-जुकाम है तो ठंड के मौसम में रात में खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह बलगम या कफ के संपर्क में आने पर जलन पैदा करता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आपको साइनस की समस्या है तो भी आपको इसे सीमित मात्रा में खाना चाहिए। लेकिन जिन लोगों को ऐसी कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है, उन्हें इस मौसम में केला खाने से बिल्कुल परहेज नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं कि एक्सपर्ट्स की इस राय के पीछे क्या वजह है। जरूरी विटामिन और मिनरल्स से भरपूर- सर्दियों के मौसम में हड्डियों से जुड़ी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। हर दिन कैल्शियम की जरूरी मात्रा से हड्डियों का घनत्व बना रहता है और उन्हें मजबूती मिलती है। केले में सभी जरूरी विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, कैल्शियम, मैंगनीज, मैग्नीशियम, आयरन, फोलेट, नियासिन, राइबोफ्लेविन और बी 6 पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व स्वस्थ और शरीर के फंक्शन को सही रखते हैं।

फाइबर की भरपूर मात्रा

केला घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर से भरपूर होता है। घुलनशील फाइबर में पाचन को धीमा करने की प्रवृत्ति होती है। इससे पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। यही वजह कि ज्यादातर लोग ब्रेकफास्ट में केले खाना पसंद करते हैं ताकि उन्हें भूख जल्दी ना लगे। आयुर्वेद के अनुसार, रात के समय केला खाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे खांसी और जुकाम बढ़ सकता है।

नींद अच्छी आती है

शाम के समय केला खाना एक अच्छी आदत है। पोटेशियम से भरपूर केला दिन भर की थकान के बाद मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है। देर शाम एक या दो केले खाने से थकान उतरने लगती है और नींद अच्छी आती है

दिल के लिए अच्छा

केला खाने से दिल की बीमारियों और हाई ब्लड प्रेशर से बचा जा सकता है। लीड्स यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के अनुसार, फाइबर वाले फूड हृदय रोग और कोरोनरी धमनियों की बीमारी से बचाते हैं। केले में मौजूद पोटेशियम दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है, साथ ही दिमाग को भी सतर्क रखता है।

देर रात की भूख से बचाता है

अगर आपको आधी रात में भूख लगती है या फिर कुछ मीठा खाने की इच्छा होती है तो केले को डाइट में शामिल करें। इससे आप शुगर और हाई कैलोरी वाली चीजें खाने से बच जाएंगे। विटामिन और फाइबर से भरपूर होने के साथ ही केले आधी रात में लगने वाली भूख को भी मिटाने का काम करते हैं। अगर आप शाम को जिम जाते हैं या किसी तरह की एक्सरसाइज करते हैं तो उसके बाद एक केला खाने की आदत डालें।

कहानी — साधना

बहुत समय पहले की बात है, एक जंगल में नदी के किनारे पर एक साधु की कुटिया थी। एक दिन साधु ने देखा की उनकी कुटिया के सामने वाली नदी में एक सेब तेरता हुआ आ रहा है। साधु ने सेब को नदी से निकाला और अपनी कुटिया में ले आए। महात्मा सेब को खाने ही वाले थे की तभी उनके अंतरमन से एक आवाज आई क्या यह तेरी सम्पति है। यदि तुमने इसे अपने परिश्रम से पैदा नहीं किया है तो क्या इस सेब पर तुम्हारा अधिकार है। अपने अंतर्मन कि आवाज सुन साधु को आभास हुआ की उसे इस फल को रखने और खाने का कोई अधिकार नहीं है। इतना सोचकर साधु सेब को अपने झोले में डालकर सेब के असली स्वामी की खोज में निकल पड़े। थोड़ी दूर जाने पर साधु को एक सेब का बाग दिखाई दिया। उन्होंने बाग के स्वामी से जाकर कहा, आपके पेड़ से यह सेब गिरकर नदी में बहते-बहते मेरी कुटिया तक आ गया था, इसलिए में आपकी संपत्ति लौटाने आया हूं। वह बोला, महात्मा, मैं तो इस बाग का रखवाला मात्र हूं! इस बाग की स्वामी राज्य की रानी है। बाग के रखवाले की बात सुनकर साधु महात्मा सेब को देने रानी के पास पहुंचे। रानी को जब साधु के सेब को यहां तक पहुंचाने के लिए लम्बी यात्रा की बात पता चली तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुई। उन्होंने एक छोटे से सेब के लिए इतनी लम्बी यात्रा का कारण साधु से पूछा। साधु बोले, महारानी साहिबा! यह यात्रा मैंने सेब के लिए नहीं बल्कि अपने जमीर के लिए की है। यदि मेरा जमीर भ्रष्ट हो जाता तो मेरी जीवन भर की तपस्या नष्ट हो जाती। साधु की ईमानदारी से महारानी बड़ी प्रसन्न हुई और उन्होंने साधु महात्मा को राजगुरु की उपाधि से सम्मानित कर उन्हें अपने राज घराने में रहने का निमंत्रण दिया।

शिक्षा: हमें हर परिस्थिति में इमानदार रहना चाहिए। क्योंकि इमानदार व्यक्ति हमेशा ही समाज में सम्मान पाता है।

हंसना मना है

लड़का: तुम व्हॉट्सएप पर हो। लड़की: नहीं, वह मेरे फोन में है। लड़का: तुम व्हॉट्सएप पर हो। लड़की: नहीं, व्हॉट्सएप मेरे फोन में है।

पप्पू: मैंने दारू पीना छोड़ दिया है। राजू: अरे कब से। पप्पू: उसी दिन से जब रात को मैं अपने फोन को आधे घंटे तक उसी की फ्लैशलाइट में ढूंढता रहा।

भगवान मेरे वे गुनाह माफ कर दें जिनकी वजह से मेरी शादी रुकी हुई है। नोट: शादीशुदा लोग रुकी शब्द हटाकर पढ़ें।

बेटा: पापा आप सीए कैसे बने। पापा: बेटा, उसके लिये बहुत दिमाग की ज़रूरत पड़ती है और बहुत मेहनत से पढ़ाई करनी होती है। बेटा: हां, जानता हूं, इसीलिए तो पूछ रहा हूं कि आप सीए कैसे बने। पापा: दे थप्पड़...दे थप्पड़...।

5 अंतर खोजें

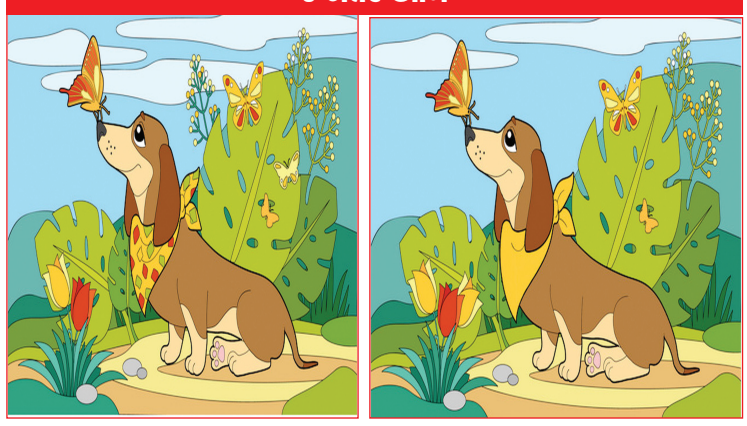

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

डित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

राशि से नवम भाग्य भाव में गोचर करते हुए सूर्य का प्रभाव बेहतरीन रहेगा। धर्म एवं अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। भाग्योन्नति के साथ नौकरी में भी नए अनुबंध प्राप्ति के योग बनेंगे।

वृषभ

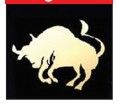

सफलता और सम्मान के बावजूद किसी न किसी कारण से पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति का सामना करना पड़ेगा। माता पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें।

मिथुन

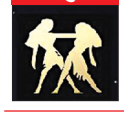

शादी विवाह से संबंधित वार्ता में थोड़ा और विलंब हो सकता है। किसी भी तरह के सरकारी टेंडर के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा।

कर्क

राशि से छठे शत्रु भाव में गोचर करते हुए सूर्य का प्रभाव आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सोची समझी सभी रणनीतियां कारगर होंगी। गुप्त शत्रु परास्त होंगे।

सिंह

प्रेम संबंधी मामले में उदासीनता रहेगी। संतान संबंधी चिंता में कमी आएगी। नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों तथा बड़े भाइयों से भी सहयोग मिलेगा।

कन्या

सफलताओं के बावजूद पारिवारिक कलह एवं मानसिक अशांति रहेगी। मित्रों तथा संबंधियों से अप्रिय समाचार प्राप्ति के योग। वाहन का क्रय भी करना चाह रहे हो तो ग्रह-गोचर अनुकूल रहेगा।

तुला

जो भी कार्य करेंगे उसी में सफल रहेंगे। कोई भी बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना हो अथवा किसी नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अच्छी सफलता दिलाएगा।

वृश्चिक

राशि से द्वितीय धन भाव में गोचर करते हुए सूर्य का प्रभाव काफी मिश्रित फल प्रदान करेगा। स्वास्थ्य विशेष करके दाहिनी आंख से संबंधित समस्या से सावधान रहें। परिवार में एकता रखने में चुनौतियां आएंगी।

धनु

शासन सत्ता का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। संभ्रांत लोगों तथा राजनीतिज्ञों से भी संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन में भी मधुरता आएगी। शादी विवाह से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मकर

भागदौड़ की अधिकता रहेगी इसलिए अधिक खर्च के कारण आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है झगड़े विवाद से दूर ही रहें। कोर्ट कचहरी के मामले भी आपस में सुलझा लेना समझदारी रहेगी।

कुम्भ

आय के साधन बढ़ेंगे दिया गया धन भी वापस मिलने की उम्मीद। किसी भी सरकारी टेंडर का आवेदन करना चाह रहे हों तो अवसर अनुकूल रहेगा। उच्चाधिकारियों से मधुर संबंध बनेंगे।

मीन

विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए भी आवेदन करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय अनुकूल रहेगा। किसी भी तरह की सरकारी सर्विस के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो ग्रह-गोचर बेहद अनुकूल रहेगा।

प्रियंका चोपड़ा का लॉन्ग ड्रेस में ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड | मसाला

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अगली हॉलीवुड फिल्म मैट्रिक्स को लेकर व्यस्त हैं। उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जो लोगों को काफी पसंद आई थीं। वहीं, अब प्रियंका चोपड़ा ने एक बार फिर कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। उनकी ये तस्वीरें बेहद ग्लैमरस हैं और लोगों को काफी पसंद आ रही हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा काफी खूबसूरत लग रही हैं। आप भी देखें उनकी ये तस्वीरें।

प्रियंका चोपड़ा इन तस्वीरों में ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आ रही हैं। ब्लैक एंड व्हाइट ड्रेस के साथ उन्होंने मैचिंग कोट भी पहना है। प्रियंका चोपड़ा ने इस आउटफिट के साथ खुले बाल रख कर अपने लुक को कंप्लीट किया है। प्रियंका चोपड़ा ने बेहद लाइट मेकअप और सिर्फ ईयरिंग पहना है। प्रियंका चोपड़ा ने अपना लुक सिंपल और क्लासी रखा है। इन तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा की खूबसूरती देखने लायक है। प्रियंका चोपड़ा की इस तस्वीर पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा काफी एक्टिव रहती हैं और तरह-तरह के लुक्स में फैंस के साथ तस्वीरें शेयर करती हैं। प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में एक्टिव रहती हैं। उनके लुक्स और फैशन सेंस की तारीफ होती है। प्रियंका चोपड़ा के ऊपर ये हेयरस्टाइल काफी अच्छा लग रहा था। वो लगातार मीडिया में अपनी इस लुक की वजह से छाई हुई हैं। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों लंदन में है। वे अभी एक प्रोमो शूट करने में बिजी है।

अब करिश्मा तन्ना बनने जा रही हैं दुल्हन

इन दिनों बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में भी शादियों का सीजन चल रहा है। कई सितारों के शादी के बंधन में बंधने की खबरें सामने आ रही हैं। इसी लिस्ट में अब मशहूर टीवी एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना का नाम भी जुड़ता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो करिश्मा जल्द ही अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वरुण बानधेरा के साथ सात फेरे लेने वाली हैं। अब करिश्मा और वरुण की शादी की तारीख भी सामने आ गई है। दरअसल, कहा जा रहा है कि शादी की सभी रस्में 4 फरवरी से शुरू हो जाएंगी। 4 फरवरी को हल्दी, मेहंदी और संगीत सेरेमनी का गैंड आयोजन किया गया है। इसके अगले ही दिन, यानी 5 फरवरी को करिश्मा और वरुण मुंबई में सात फेरे लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान केवल परिवार के सदस्यों और कुछ खास दोस्तों को ही आमंत्रित किया जाएगा। इसके बाद 6 फरवरी को एक शानदार रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इंडस्ट्री की कई मशहूर हस्तियां शरीक हो सकती हैं।

दूसरी ओर, कहा जा रहा है कि 12 नवंबर को करिश्मा और वरुण ने सगाई भी कर ली है, इस समारोह को काफी निजी रखा गया था।

इस दौरान दोनों के परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। गौरतलब है कि करिश्मा ने अपनी शादी और डेटिंग की खबरों पर पूरी तरह से चुप्पी साधी हुई है। उन्होंने अब तक आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।

बॉलीवुड | मन की बात

सुरवीन चावला भी हुई थीं कास्टिंग काउच का शिकार

फिल्मी दुनिया में करियर बनाने का सपना कौन नहीं देखते, लेकिन यहां सफलता पाना उतना आसान नहीं, जितना नजर आता है। पिछले कुछ समय में इसी फिल्मी दुनिया का एक घिनौना चेहरा कास्टिंग काउच के रूप में उभरकर सामने आया है। कई सितारों को इसका सामना करना पड़ा है। अब इस पर मशहूर एक्ट्रेस सुरवीन चावला ने भी चौकाने वाला खुलासा किया है। टीवी से बड़े पर्दे तक का सफर तय करने वाली सुरवीन चावला ने हाल ही में बताया है कि उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा है। इस बात का खुलासा उन्होंने एक शो में किया है। दरअसल, सुरवीन इन दिनों अपनी अगली वेब सीरीज डीकपल्ड के प्रमोशन में काफी व्यस्त चल रही हैं। इसी सिलसिले में एक शो में पहुंची सुरवीन ने कास्टिंग काउच पर बात की। सुरवीन ने बताया कि दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कास्टिंग काउच होता है। जिस समय वह टीवी से फिल्मों का रुख करने की कोशिश कर रही थीं, तब उन्हें एक मीटिंग के लिए मुंबई में ही कहीं जाना था। इसी दौरान वह कास्टिंग काउच का शिकार हुईं। सुरवीन ने बताया कि वहां उनके वजन, ब्रेस्ट और कमर के साइज पर सवाल किए गए थे। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके बाद उन्हें खुद पर डाउट हो गया था। सुरवीन का कहना है कि किसी भी महिला को कोई इस तरह से तो डिफाइन नहीं कर सकता, ये सही तरीका नहीं है। हालांकि, सुरवीन का कहना है कि पिछले कुछ वक्त में काफी चीजें बदल गई हैं। लोग अब मेंटल हेल्थ, बॉडी शेमिंग और रिजेक्शन को लेकर खुलकर बात कर रहे हैं। गौरतलब है कि सुरवीन ने 2003 में टीवी सीरियल कहीं तो होगा से अपने करियर की शुरुआत की थी।

हनीमून की जगह कब्रिस्तान पहुंचे पति-पत्नी 1 दिन में किया 15 लोगों का अंतिम संस्कार

शादी-ब्याह किसी भी कपल के लिए लाइफ में सबसे बड़ा इवेंट होता है। शादी के पहले इसकी तैयारियों में लोग जुटे होते हैं और शादी के बाद घूमना-फिरना शुरू हो जाता है। पोस्ट वेडिंग एक्टिविटी यानी हनीमून में कपल की खुशी देखने लायक होती है लेकिन अगर कोई कपल शादी के बाद तुरंत हनीमून की जगह कब्रिस्तान पहुंच जाए तो सोशल मीडिया पर ऐसे ही एक कपल की तस्वीर वायरल हो रही है, जो शादी के तुरंत बाद कब्रिस्तान पहुंच गया। कब्रिस्तान में दोनों ने मिलकर कोरोना से मरे लोगों का अंतिम संस्कार किया। जानकारी के मुताबिक, 34 साल के मुहम्मद रिद्जीवन ओसमान और उसकी बीवी 26 साल की नूर अफिफा हबीब ने 13 दिसंबर को शादी की थी। लेकिन पति-पत्नी ने शादी के बाद हनीमून पर जाने की जगह कोविड वारियर बनने का फैसला किया। उन्होंने शादी के बाद पहले हफ्ते तक कोरोना से मरे मरीजों का अंतिम संस्कार करने का फैसला किया। हनीमून की जगह कब्रिस्तान में शादी के बाद पहला हफ्ता बिताने के इस फैसले की लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। नया-नवेला दूल्हा रिद्जीवन टीम कांगकुल की का मेंबर है, जो कोविड 19 के मरीज और उसके मौत के बाद मुफ्त में उनका क्रियाक्रम करते हैं। रिद्जीवन ने बताया कि शादी के अगले दिन ही उसे टीम से कॉल आया कि कोरोना मरीज की मौत के बाद उसकी डेड बॉडी को दफनाने जाना है। उसने ये बात अपनी पत्नी को बताई, जिसके बाद वो भी उसके साथ चलने को तैयार हो गई। कपल तुरंत कब्रिस्तान गए, जहां उन्होंने कोरोना से मौत के बाद मरीजों का अंतिम संस्कार किया। कपल ने सुल्तान अब्दुल हलीम अस्पताल में रखी लाशों का अंतिम संस्कार किया। इस दौरान अन्य लोगों ने भी उनकी मदद की। जिस टीम का रिद्जीवन हिस्सा है, उसमें कई ऐसे लोग मेंबर हैं जो समाज सेवा के लिए इससे जुड़े हैं। ये लोग वैसे तो दूसरे जगह पर काम करते हैं लेकिन समाज सेवा के लिए वो इस टीम की मदद करते हैं।

अजब-गजब | बंदरों की घटती संख्या से चिंतित है सरकार

खास बंदरों के लिए बनाया गया है पुल पेड़-पौधों और हरियाली से है भरपूर

दुनिया में बहुत सारे जानवरों की प्रजातियां खतरे में हैं। एक समय में धरती तरह-तरह के जानवरों से भरी हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे इंसान के विकास का खामियाज़ा उन्हें अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। अब भी जानवरों की कई प्रजातियों की संख्या बेहद कम हो चुकी है। ऐसे में जानवरों की सुरक्षा के लिए ब्राज़ील में सरकार ने खास तौर पर एक पुल का निर्माण किया है, ताकि बंदर उस पर से जाकर सड़क पार कर सकें।

पुल का निर्माण रियो डी जेनेरियो के अटलांटिक फॉरेस्ट एरिया में किया गया है। पुल के निर्माण के पीछे सरकार की एक ही मंशा है कि यहां की सड़क से जाती हुई गाड़ियों के नीचे आकर बंदरों और अन्य जानवरों की मौत न हो। इसके लिए बनाए गए पुल को हरे-भरे पेड़-पौधों से सजाया गया है, ताकि जानवर आसानी से अपना रास्ता पा सकें और सड़क के उस पार चले जाएं। ब्राज़ील में ये पुल बंदरों की गोल्डन लॉयन टैमरिन प्रजाति के लिए बनाया गया है। इस प्रजाति के बंदरों की संख्या अब काफी कम हो चुकी है, ऐसे में उन्हें एक्सिडेंट में मरने से बचाने के लिए ये कदम उठया गया है। अटलांटिक फॉरेस्ट एरिया में अलग-अलग प्रजाति के तमाम जानवर रहते हैं, लेकिन बीच में हाईवे होने की वजह से अक्सर सड़क पार करने वाले जानवरों की जान चली जाती है या फिर वे जख्मी हो जाते हैं। ऐसे में ये पुल न सिर्फ बंदरों बल्कि अन्य जानवरों के लिए फायदेमंद होगा। वे बिना डरे सड़क पार कर सकेंगे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राज़ील में टैमरिन प्रजाति के बंदरों की संख्या अब सिर्फ 2500 तक सिमटकर रह गई है। साल 2018 में यलो फीवर की वजह से बंदरों की 32 फीसदी जनसंख्या कम हो गई थी। हाईवे होने की वजह से बंदर सड़क के दोनों ओर फैले हुए जंगल में जाने से डरते भी थे, ऐसे में पुल के ज़रिये वे बड़े इलाके में रह सकेंगे। पिछले साल ही बने इस पुल पर पेड़-पौधे लगाकर इसे हरा-भरा रखा गया है।

सरकार ने बढ़ाए ग्राम प्रधानों के मानदेय और वित्तीय अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पंचायत प्रतिनिधियों के निधन पर मिलेगी आर्थिक मदद

» पांच ग्राम पंचायतों को दिया गया पुरस्कार

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले गांवों में विकास की गंगा बहाने और पंचायत प्रतिनिधियों को खुश करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उपहारों की झड़ी लगा दी। सभी पंचायत प्रतिनिधियों का प्रतिमाह 1500 रुपये तक मानदेय बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रधानों को 5,000, ब्लाक प्रमुख को 11300 व जिला पंचायत अध्यक्ष को 15500 रुपये देने का ऐलान किया है। अब सूबे के करीब साढ़े सात लाख ग्राम पंचायत सदस्यों को भी मानदेय मिलेगा। इसके अलावा पंचायत प्रतिनिधियों के निधन पर स्वजनों को ग्राम पंचायत कोष से आर्थिक सहायता दिलाने व ग्राम व जिला पंचायतों के प्रशासनिक व वित्तीय अधिकारों में बड़ी बढ़ोतरी करने की भी अहम घोषणा की है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद बनी गांवों की सरकार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वृंदावन कालोनी में ग्राम उत्कर्ष समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणा की। प्रधानों के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार में भी बढ़ोतरी की गई। मनरेगा में भुगतान के लिए प्रधान के डिजिटल सिग्नेचर लगेंगे। इसके अलावा जिला पंचायत और ग्राम पंचायत में अन्य विभागों के जेई से एस्टीमेट्स और पर्यवेक्षण का कार्य हो सकता है। सरकार ने वित्तीय अधिकारों में बढ़ोतरी करते हुए जिला पंचायतों के लिए वर्तमान 10 लाख रुपये की सीमा से बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया गया है। परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत के वित्तीय, प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारों में वृद्धि करते हुए प्रति कार्य 2 लाख रुपए की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया गया है। सदस्य, ग्राम पंचायत का पहले कोई मानदेय नहीं था। अब 100 रुपये प्रति बैठक का प्रावधान किया गया है।

साल में अधिकतम 12 बैठक होंगी। वहीं पंचायत प्रतिनिधियों के पद पर रहने के दौरान मृत्यु होती है तो स्वजनों को आर्थिक सहायता देने के लिए ग्राम पंचायत कोष की स्थापना की गई है। अध्यक्ष जिला पंचायत को 10 लाख, सदस्य जिला पंचायत को पांच लाख, सदस्य क्षेत्र पंचायत को तीन लाख और सदस्य ग्राम पंचायत को दो लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा प्रदेश की पांच ग्राम पंचायतों को मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गय। इसके तहत सभी पांच ग्राम पंचायतों को 11-11 लाख रुपये से सम्मानित किया गया।

राज्यकर्मियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

लखनऊ। यूपी सरकार ने सभी राज्य कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 28 फीसदी से बढ़ाकर 31 फीसदी कर दिया है। इसका मतलब अब राज्य कर्मचारियों के भत्ते में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। यह महंगाई भत्ता जुलाई 2021 से देय होगा। कोरोना काल में कर्मचारियों के भत्ते बंद कर दिए गए थे।

प्रयागराज में सड़क हादसा, पांच जख्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। जिले में बुधवार की देर रात पुराने यमुना पुल के निकट हादसा हो गया। इसमें बच्चों समेत पांच लोग जख्मी हो गए हैं। कीडगंज थाना क्षेत्र में तेज स्पीड से आ रहे स्कार्पियो वाहन ने टक्कर मारी, इससे सभी लोग घायल हो गए। आसपास के जुटे लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। उधर हादसे के बाद स्कार्पियो लेकर चालक फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पुराने यमुना पुल के निकट स्कार्पियो की टक्कर से 13 वर्षीय समीर बंसल पुत्र स्वर्गीय मुकेश कुमार निवासी मिंटो पार्क झोपड़ पट्टी थाना कीडगंज के साथ ही 20 वर्षीय अक्षय पुत्र अशोक निवासी चौखंडी थाना कीडगंज, 22 वर्षीय शिवम पुत्र प्रेम लाल निवासी चौखंडी थाना कीडगंज, 12 वर्षीय विराज पुत्र राजू निवासी वार्ड नंबर दो थाना शंकरगढ़, 12 वर्षीय आलोक पुत्र श्यामू निवासी गऊघाट पुराना पुल थाना मुट्ठीगंज जख्मी हुए। राहगीरों व वहीं रहने वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस सभी पांचों घायलों को नजदीकी जीवन ज्योति अस्पताल में प्राथमिक चिकित्सा के लिए ले गयी। वहां से दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद परिवार के लोगों के साथ घर भेजा गया। पुलिस फरार स्कार्पियो चालक की तलाश कर रही है।

सुल्तानपुर के दोस्तपुर में जेई की मनमानी से उपभोक्ता परेशान

» कनेक्शन के नाम पर अवैध वसूली करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले के कादीपुर तहसील में दोस्तपुर कस्बे में बिजली विभाग के जेई की मनमानी से उपभोक्ता परेशान हैं। कस्बेवासियों ने जेई के कामों की शिकायत विभाग के उच्चाधिकारियों से की है। कुछ उपभोक्ताओं ने लखनऊ मुख्यालय व ऊर्जा मंत्री को भी पत्र भेजा है। पत्र में यह आरोप लगाया है कि दोस्तपुर स्थित बिजली विभाग के दफ्तर में कार्यरत जेई रविशंकर मौर्य भ्रष्टाचार में पूरी तरह लिप्त है।

उपभोक्ताओं से अवैध कनेक्शन व खामियों के नाम पर क्षेत्र में अवैध वसूली करते हैं। उपभोक्ता सुनील रावत, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, रामधन सहित उपभोक्ताओं का कहना है कि सरकार का सख्त निर्देश है कि ग्रामवासियों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाए। उन्हें बिजली बिल जमा करने में भी छूट दी जाए। बावजूद जेई क्षेत्रवासियों को लगातार वसूली के नाम पर परेशान करता रहता हैं। जेई रविशंकर मौर्य पर यह भी आरोप हैं कि इन्होंने कुछ लोगों की टीम बना रखी है जो कि पहले वसूली के नाम पर क्षेत्रवासियों को डराते धमकाते हैं। इसके बाद उपभोक्ताओं से कनेक्शन ठीक करने व उसमें हेराफेरी करने के नाम पर वसूली करते हैं।

बताया जाता है कि जेई रविशंकर किसी पार्टी प्रतिनिधि का सदस्य भी हैं। चुनाव से पहले उस दल के नाम पर वोटों के लिए वसूली कर रहा हैं। इस मामले में यहां के स्थानीय विद्युत कार्यालय में उपभोक्ताओं ने शिकायत की तो मामले पर पर्दा डाल दिया गया। विद्युत विभाग उन पर कार्रवाई करने से कतरा रहा है। जेई मौर्य ने इस मामले में बताया कि आरोप लगते रहते हैं। उच्चाधिकारी पूछेंगे तो लिखित में जवाब दे देंगे।

ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ा, यूपी में मेगा सैंपलिंग अभियान शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत समेत दुनियाभर में ओमिक्रॉन वेरिएंट तेजी से फैल रहा है। कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली समेत 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नए वेरिएंट के 73 मामले मिले हैं। केरल और महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के चार-चार नए मामले दर्ज किए गए है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में स्वास्थ्य विभाग ने ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए मेगा सैंपलिंग अभियान शुरू किया है।

दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और गुजरात सहित कई राज्यों ने नए कोरोना संस्करण के मामले दर्ज किए हैं। इसमें महाराष्ट्र में 32 मामले, राजस्थान में 17, दिल्ली में 6, केरल में 5, गुजरात में 4, कर्नाटक में 3, तेलंगाना में 2, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और पश्चिम बंगाल में एक-एक केस मिला है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जार्ज ने बताया कि केरल में चार नए मामलों के बाद नए वेरिएंट से संक्रमित मरीजों की संख्या पांच हो गई है।

कांग्रेस प्रचार कमेटी की बैठक में हंगामा सिद्धू ने किया सीएम चन्नी पर हमला

» रिश्तेदारों को महत्वपूर्ण पद देने का भी उठाया मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस की चुनाव प्रचार कमेटी की पहली बैठक खासी गरम रही। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने अपना तीखा रुख बरकरार रखा। कमेटी के चेयरमैन सुनील जाखड़ ने सुझाव मांगा कि पार्टी किस प्रकार का प्रचार चाहती है व्यक्ति केंद्रित, उपलब्धि आधारित या विश्वसनीयता आधारित। इस पर सिद्धू ने कहा, हर घर पर जिसकी फोटो लगी है, वोट भी उन्हीं से डलवा लो। प्रचार तो शुरू हो गया है। उनका इशारा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की तरफ था। सिद्धू जिस समय यह बात कह रहे थे, उस समय मुख्यमंत्री वहां पर मौजूद नहीं थे। वह किसी से फोन पर बात करने के लिए बाहर निकल गए थे।

सिद्धू ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की उपस्थिति में यह मुद्दा भी उठाया कि जिन नेताओं के रिश्तेदारों को चेयरमैन या विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर लगाया जा रहा है, उन्हें हटाना चाहिए। सिद्धू ने यहां भी मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने रंधावा के दामाद तरुणवीर सिंह को एडिशनल एडवोकेट जनरल नियुक्त किया है। करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक में पार्टी किसी अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंच सकी, लेकिन इस बात पर ज्यादा संभावना बनी कि राहुल गांधी के रोडमैप के हिसाब से कांग्रेस संयुक्त चेहरे को ही सामने रखकर प्रचार प्रोग्राम तैयार करे। पार्टी सूत्र बताते हैं कि बैठक में चर्चा हुई की क्या एससी चेहरे को आगे रखकर पार्टी के प्रचार पर रोड मैप तैयार किया जाए।

छेड़छाड़ करते थे युवक, ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर पीटा

» वीडियो वायरल होने के बाद जांच शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मूंढ़ापांडे थाना क्षेत्र के एक गांव में छेड़छाड़ के आरोप में ग्रामीणों ने तीन युवकों को एक पेड़ से बांधकर पिटाई कर दी। वायरल वीडियो में ग्रामीणों के साथ ही लड़कियां भी आरोपी युवकों को पीटते हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ ही आरोपी भी कान पकड़कर माफी मांगते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की पुलिस के द्वारा पुष्टि नहीं की गई है लेकिन, इंटरनेट मीडिया पर यह वीडियो तेजी के साथ वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि मूंढापांडे थाना क्षेत्र के समदा राय गांव में आए दिन लड़कियों के साथ कुछ युवक छेड़छाड़ करते हुए अश्लील हरकतें करते थे। इस दौरान ग्रामीणों ने तीनों युवकों को पकड़ लिया। इसके बाद पेड़ से बांधकर जमकर पिटाई कर दी। बाद में तीनों आरोपियों के माफी मांगने पर स्वजनों को सौंप दिया गया। इस मामले में मूंढापांडे थाना प्रभारी संजय पांचाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

तो अखिलेश की सभा में उमड़ी भीड़ बता रही सियासी हवा!

सपा प्रमुख के जौनपुर विजय रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने रखे अपने विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सभाओं में लगातार भीड़ उमड़ रही है। इस भीड़ ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। सवाल यह है कि अखिलेश की सभा में आ रही भीड़ क्या वोटों में तब्दील होगी? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार उमाकांत लखेड़ा, अमलेंदु उपाध्याय, रंजीव, अजय शुक्ला, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली परिचर्चा में।

रंजीव ने कहा, सत्ता में रहते हुए चुनाव लड़ना बड़ी चुनौती होती है। सपा ने खुद को भाजपा के मजबूत विकल्प के रूप में पेश किया है। भीड़ के लिए सपा के संगठन का योगदान है। यही वजह है कि यह भीड़ हर जगह दिख रही है। रविकांत ने कहा, यूपी की जनता हमेशा बदलाव करती रही है। वह पांच साल से अधिक किसी को सत्ता में नहीं रखती। यह भीड़ कहीं से लायी नहीं गयी है। भाजपा के लिए यह चुनौती है। सवाल यह है कि क्या यह भीड़ वोट बैंक में तब्दील होगी।

उमाकांत लखेड़ा ने कहा, लोग बदलाव का मन बना रहे हैं। वोट डालने के समय लोगों के मन में पार्टी की छवि होती है लेकिन वे सबसे कम बुरे का चयन करते हैं। लोग अगले पांच साल और भाजपा को झेलने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। सत्ता विरोधी रूझान अधिक है।

रंजीव ने कहा, भाजपा सरकार मूल सवालों से बच रही है। क्या संगठन को जनता की समस्याओं से फीडबैक नहीं मिल रहा है। कई मुद्दों पर लोगों में नाराजगी है। यह भाजपा को भारी पड़ेगा। अजय शुक्ला ने कहा, भीड़ अस्वाभाविक नहीं है। यह इसका प्रतीक है कि जनता मौजूदा सरकार से नाखुश है। इनका विकास का मॉडल हिंदूवादी है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

2022 में सपा सरकार बनने पर तीन महीने के भीतर कराएंगे जातिगत जनगणना : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने राकेश टिकैत को दिया चुनाव लड़ने का ऑफर

» किसान नेता टिकैत बोले- कोई इलेक्शन नहीं लड़ना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में किसान आंदोलन को भुनाने की कोशिश कर रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आंदोलन के नेता राकेश टिकैत को चुनाव लड़ने का न्योता दिया। हालांकि, टिकैत पहले ही साफ कर चुके हैं कि वे किसी पार्टी से जुड़ना नहीं चाहते हैं।

जौनपुर दौरे पर पहुंचे अखिलेश ने एक इंटरव्यू में कहा अगर राकेश टिकैत हमारे साथ चुनाव लड़ना चाहे तो वे उनका स्वागत करेंगे। राकेश टिकैत किसानों के बड़े नेता हैं। तीन कृषि कानूनों को लेकर उनका आंदोलन भी राजनीति से दूर रहा है। हालांकि चुनाव लड़ने का फैसला उनको लेना है। जौनपुर के बदलापुर में जनसभा के दौरान अखिलेश ने ऐलान किया कि अगर केंद्र सरकार जातिगत

जनगणना नहीं करती है तो 2022 में सपा सरकार बनने पर तीन महीने के भीतर जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि लाल टोपी और साइकिल इस बार बीजेपी का सफाया कर देगी। किसानों को खाद के लिए लाइन में लगना पड़ता है। मगर सपा सरकार में किसान लाइन में नहीं, किसानों के घर खाद पहुंचेगी। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी के लोगों ने कहा था कि हवाई चप्पल पहनकर आम आदमी हवाई जहाज की यात्रा कर सकता है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से गरीब आदमी बाइक से नहीं चल पा रहा है। सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में लैपटॉप बांटा था। लैपटॉप अभी तक चल रहा है। बाबा मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि लोगों को टैबलेट बांटा जाएगा। 5 साल बीतने को हैं, लेकिन अभी तक किसी के हाथों टैबलेट नहीं आया है। उन्होंने कहा कि जब बाबा खुद लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट चलाना नहीं जानते हैं तो वह जनता को क्यों बांटेंगे?

बीजेपी का हर वादा जुमला निकला

सपा अध्यक्ष बोले- भाजपा के इस कार्यकाल में व्यापारी, किसान, आम आदमी और छोटे दुकानदारों की कमाई आधी हो गई है। कमाई आधी हो जाए और महंगाई दोगुनी तो खुशहाली कैसे आएगी। बीजेपी का हर वादा जुमला निकला। चुनाव आते ही बीजेपी के लोग धार्मिक चश्मा लगा लेते हैं। जिस वक्त लोगों को दवाई, बिस्तर और ऑक्सीजन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, उस वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी जनता को अनाथ छोड़ दिया था, जो एंबुलेंस उस वक्त चल रही थी, वह सारी समाजवादी पार्टी की दी हुई थी। अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा ने 100 नंबर को 112 करके पुलिस का भी कबाड़ा कर दिया है। ठोको राजनीति ने बेगुनाह लोगों की जान ले ली है। कस्टोडियल डेथ के मामले में यूपी नंबर एक है। प्रदेश की जनता ने अपने आपको इतना अपमानित कभी महसूस नहीं किया। बाबा ने लोगों का रोजगार छीन लिया है। सपा सरकार सबको नौकरी देने का काम करेगी।

कोई राजनीतिक दल मेरे नाम का इस्तेमाल न करे : टिकैत

दिल्ली बॉर्डर पर आंदोलन खत्म होने के बार राकेश टिकैत अपने घर मेरठ पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। टिकैत ने कहा कि मैं कोई चुनाव नहीं लड़ने जा रहा हूं और किसी भी राजनीतिक दल को अपने पोस्टर में मेरे नाम या फोटो का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। टिकैत का यह बयान तब आया, जब अखिलेश जौनपुर में उन्हें साथ चुनाव लड़ने का न्योता दे चुके थे।

देश में गायब हो रही खोजी पत्रकारिता : रमणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमणा ने कहा कि खोजी पत्रकारिता की अवधारणा 'दुर्भाग्य से' मीडिया परिदृश्य से 'कम से कम भारतीय संदर्भ में' गायब हो रही है। पत्रकार उदुमुला सुधाकर रेड्डी की लिखी किताब 'ब्लड सैंडर्स : द ग्रेट फॉरेस्ट हीस्ट' के विमोचन पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा हमारे बगीचे में सब कुछ गुलाबी प्रतीत होता है।

उन्होंने लाल चंदन के संरक्षण में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला। लाल चंदन, जंगल की आग को शेषचलम पहाड़ियों के जंगलों में फैलने से रोकने के लिए जाना जाता है, लेकिन विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा लाल चंदन के काटने से पारिस्थितिक विनाश के परिणाम विश्व स्तर पर देखे जा सकते हैं और इन मुद्दों से स्थानीय स्तर पर निपटना समय की मांग है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि लाल चंदन की सुरक्षा के लिए पहले से मौजूद कानूनों को लागू करने के लिए आवश्यक इच्छाशक्ति की कमी थी। उन्होंने कहा, ऐसे में मीडिया को अपनी भूमिका निभाने की जरूरत है। रक्षकों की भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों और संस्थानों की सामूहिक विफलताओं को मीडिया द्वारा उजागर करने की आवश्यकता है।

फोटो: 4पीएम

सदस्यता बीजेपी मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न दलों के लोगों ने ली भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता। पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई ने दिलायी सदस्यता। इस दौरान सभी ने जयश्री राम के जयकारे लगाए।

हिंदू धर्म छोड़ने वाले घर वापसी करें, डर ज्यादा दिन बांध नहीं सकता : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू धर्म छोड़ने वालों की घर वापसी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डर ज्यादा दिन तक बांध नहीं सकता है। अहंकार से एकता टूटती है। हम लोगों को जोड़ने के लिए काम करेंगे। यहां चल रहे तीन दिवसीय हिंदू एकता महाकुंभ में शामिल हो रहे लोगों को भागवत ने इसका संकल्प भी दिलाया।

वहीं जगदगुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि हमने हिंदुओं के हितों की शुरुआत कर दी है। ए से अयोध्या, के से काशी के बाद अब एम से मथुरा की बारी है। कार्यक्रम में श्री श्री रविशंकर ने शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जुटते हैं तो भय पैदा होता है। जबकि जहां संत और हिन्दू इकट्ठा होते हैं, वहां अभय मिलता है। उन्होंने कहा कि देश भक्ति और ईश्वर

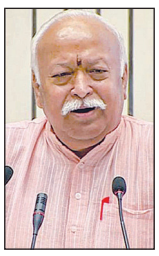

भक्ति एक ही है। जो देशभक्त नहीं है वो ईश्वर भक्त भी नहीं हो सकता। मोहन भागवत ने करीब 20 मिनट तक हिंदू एकता महाकुंभ में आए लोगों को संबोधित किया। इसमें उन्होंने हिंदुओं के साथ हो रहे अन्याय, मठ मंदिर की सुरक्षा, धर्मांतरण पर रोक, जनसंख्या नियंत्रण, राष्ट्रवाद और समान नागरिक संहिता, लव जिहाद, गोरक्षा, सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। इसके अलावा, मोहन भागवत ने महाकुंभ में आए लोगों को संकल्प दिलाया और कहा मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि किसी भी हिंदू भाई को हिंदू धर्म से विमुख नहीं होने दूंगा। जो भाई धर्म छोड़ कर चले गए हैं, उनकी भी घर वापसी के लिए कार्य करूंगा।

नितिन गडकरी करेंगे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 23 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करेंगे। साथ ही एक्सप्रेसवे के पांचवें चरण और आउटर रिंग के कार्य का शुभारंभ करेंगे। साथ ही कुछ अन्य प्रोजेक्ट की भी घोषणा करेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की जयंती पर केंद्र सरकार की ओर से 23 दिसंबर को मेरठ में बड़ा आयोजन हो रहा है। सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से संसद भवन स्थित कार्यालय में भेंट की। इस दौरान नितिन गडकरी ने बताया कि 23 दिसंबर को मेरठ में एक कार्यक्रम होगा। इसमें मेरठ दिल्ली एक्सप्रेस-वे और अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा। नितिन गडकरी मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेस वे पर सड़क मार्ग से ही मेरठ आएंगे।

गोमती नगर में पहली विदेशी मल्टी कलर प्रिंटिंग मशीन

आस्था प्रिंटर्स

इंतजार किस बात का, आयें और हाथों हाथ छपवाकर ले जायें।

कार्यालय: 5/600, विकास खण्ड गोमती नगर, लखनऊ । फोन : 0522-4078371

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।